क्षय रोग उन्मूलन शिविर एवं स्वस्थ यकृत मिशन

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के राज्यपाल ने 100 **दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान** के हितधारकों को सम्मानित किया और भोपाल में **राज्यव्यापी स्वस्थ यकृत मिशन का शुभारंभ किया।**

मुख्य बिंदु

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान

- **राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम** के अंतर्गत, राज्य ने टीबी के मामलों की पहचान करने, समय पर उपचार सुनिश्चित करने और रोग के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के **लिये विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये।**
    - **इस अभियान ने नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग, गैर सरकारी संगठनों**, जन प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के संयुक्त प्रयासों से परीक्षण और परामर्श प्राप्त करने में सक्षम बनाया।
- इस अभियान के तहत **5,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है।**
    - **सिवनी और बैतूल ज़िलों ने** लगातार तीन वर्षों तक सबसे अधिक संख्या में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतें घोषित की हैं।
    - **कन्हार (मंडला), पटवा (बालाघाट)** और **सावरवानी (छिंदवाड़ा)** ने **टीबी-मुक्त** दर्जा प्राप्त कर लिया है।
- राज्य सरकार **इस पहल के तहत 100% कवरेज के लिये प्रयासरत है,** जिसका लक्ष्य वर्ष **2028 तक राज्य से टीबी को पूरी तरह समाप्त करना है।**

स्वस्थ यकृत मिशन

- इस पहल का **उद्देश्य यकृत से संबंधित बीमारियों से निपटना है।**
    - फैटी लीवर रोग की रोकथाम में भारत विश्व में अग्रणी है तथा **मध्य प्रदेश** देश में **शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य** बनकर उभरा है।
- मिशन के अंतर्गत **हेपेटाइटिस बी और सी, फैटी लीवर और सिरोसिस जैसी स्थितियों के बारे में जागरूकता, शीघ्र पहचान, उपचार और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।**
- इसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग पूरे राज्य में जाँच शिविर आयोजित करेगा, चिकित्सा प्रशिक्षण और परामर्श देगा तथा **निःशुल्क दवाइयाँ वितरित करेगा।**

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP)

- वर्ष 2020 में, **संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP)** का नाम बदलकर NTEP कर दिया गया,जिसका उद्देश्य भारत से **टीबी (TB)** को वर्ष **2025 तक समाप्त करना** है, जो कि वैश्विक लक्ष्य **2030** से **पाँच वर्ष पहले** है।
- यह कार्यक्रम **राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2025)** द्वारा निर्देशित है, जो निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों पर आधारित है: **पता लगाना (Detect) – उपचार करना (Treat) – रोकथाम करना (Prevent) – निर्माण करना (Build)**, जिसे **DTPB** कहा जाता है।
- NTEP मुख्य रूप से शीघ्र निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार, निजी प्रदाताओं को शामिल करने, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में संपर्क का पता लगाने तथा बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से सामाजिक निर्धारकों को संबोधित करने पर ज़ोर देता है।
- इस कार्यक्रम में **अब तक के सर्वाधिक मामले दर्ज किये गए, जिसमें वर्ष 2023 में 25.5 लाख टीबी मामले और वर्ष 2024 में 26.07 लाख मामले दर्ज किये गए।**
- NTEP के तहत, भारत ने **बेहतर दवा प्रतिरोधी टीबी उपचार शुरू किये, जिसमें सुरक्षित,** कम समय तक चलने वाला पूर्ण-मौखिक बेडाक्विलाइन उपचार शामिल है, जिससे सफलता दर वर्ष 2020 में 68% से बढ़कर वर्ष2022 में 75% हो गई।
    - mBPaL उपचार (बेडाक्विलाइन, प्रीटोमैनिड, लाइनज़ोलिड) MDR-TB के लिये 80% सफलता प्रदान करता है, जिससे उपचार की अवधि छह महीने तक कम हो जाती है।

फैटी लिवर रोग

- **फैटी लिवर रोग (हेपेटिक स्टीएटोसिस) यकृत कोशिकाओं में अत्यधिक वसा के जमा** होने की स्थिति है।
    - यह स्थिति तब होती है, जब **वसा यकृत कोशिकाओं (हेपाटोसाइट्स) के 5% से अधिक** हो जाती है, जिससे यकृत की कार्यप्रणाली और चयापचय प्रभावित होते हैं।
- यह दो प्रकार का होता है — **नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिज़ीज़ (NAFLD)** और **एल्कोहलिक फैटी लिवर डिज़ीज़ (AFLD**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tuberculosis-eradication-camp-and-healthy-liver-mission